हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग

पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर-हिंदी

पाठ्यक्रम संरचना

Core Course (CC)
(Exclusive for Hindi students)

S.No.	Course code	Course title	L	T	P	Credit
1.	SLLCH HND 1 1 01 C 5005	स्वच्छंदतावादी काव्य	5	0	0	5
2.	SLLCH HND 1 1 02 C 5005	हिंदी कथा साहित्य –I	5	0	0	5
3.	SLLCH HND 1 1 03 C 5005	आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	5	0	0	5
4.	SLLCH HND 1 1 04 C 5005	हिंदी भाषा का स्वरूप एवं इतिहास	5	0	0	5
5.	SLLCH HND 1 2 05 C 5005	छायावादोत्तर काव्य	5	0	0	5
6.	SLLCH HND 1 2 06 C 5005	हिंदी कथा साहित्य-II	5	0	0	5
7.	SLLCH HND 1 2 07 C 5005	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	5	0	0	5
8.	SLLCH HND 1 2 08 C 5005	कथेतर गद्य विधाएं	5	0	0	5
9.	SLLCH HND 1 3 09 C 5005	प्राचीन एवं रीतिकालीन काव्य	5	0	0	5
10.	SLLCH HND 1 3 10 C 5005	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	5	0	0	5
11.	SLLCH HND 1 3 11 C 5005	भारतीय काव्यशास्त्र	5	0	0	5
12.	SLLCH HND 1 4 12 C 5005	भक्तिकाव्य	5	0	0	5
13.	SLLCH HND 1 4 13 C 5005	हिंदी आलोचना	5	0	0	5
14.	SLLCH HND 1 4 14 C 5005	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5

Generic Elective Course (GEC)
(Offered to other departments)

S.No.	Course code	Course title	L	T	P	Credit
1.	SLLCH HND 1 1 01 GE 4004	हिंदी की संस्कृति	4	0	0	4
2.	SLLCH HND 1 1 02 GE 4004	साहित्य की समझ	4	0	0	4
3.	SLLCH HND 1 2 02 GE 2002	पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा (अनिवार्य)	0	2	0	2
4.	SLLCH HND 1 3 03 GE 4004	सिनेमा अध्ययन	4	0	0	4
5.	SLLCH HND 1 3 04 GE 4004	अस्मितामूलक साहित्य	4	0	0	4
6.	SLLCH HND 1 3 05 GE 4004	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	0	0	4

Discipline Centric Elective Courses (DCEC)
(Offered to the students from Hindi and others departments)

S.No.	Course code	Course title	L	T	P	Credit
1.	SLLCH HND 1 2 01 DCEC 4004	समकालीन साहित्य चिंतन	4	0	0	4
2.	SLLCH HND 1 2 02 DCEC 4004	हरियाणा का लोक साहित्य	4	0	0	4
3.	SLLCH HND 1 2 03 DCEC 4004	आधुनिक भारतीय साहित्य	4	0	0	4
4.	SLLCH HND 1 3 12 DCEC 2002	संगोष्ठी पत्र (अनिवार्य)	0	2	0	2
5.	SLLCH HND 1 3 05 DCEC 4004	मीरां	4	0	0	4
6.	SLLCH HND 1 3 06 DCEC 4004	प्रेमचन्द	4	0	0	4

Skill Enhancement Elective Course (Compulsory and exclusively for Hindi students)

S.No.	Course code	Course title	L	T	D	Credit
1.	SLLCH HND 1 4 01 SEEC 0066	लघु शोध-प्रबंध	0	0	12	12

प्रथम सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SLLCH HND 1 1 01 C 5005	स्वच्छंदतावादी काव्य	5	0	0	5
2.	SLLCH HND 1 1 02 C 5005	हिंदी कथा साहित्य –I	5	0	0	5
3.	SLLCH HND 1 1 03 C 5005	आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास	5	0	0	5
4.	SLLCH HND 1 1 04 C 5005	हिंदी भाषा का स्वरूप एवं इतिहास	5	0	0	5
5.		***अन्य विभाग से चयन किया जायेगा***		0	0	

द्वितीय सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SLLCH HND 1 2 05 C 5005	छायावादोत्तर काव्य	5	0	0	5
2.	SLLCH HND 1 2 06 C 5005	हिंदी कथा साहित्य-II	5	0	0	5
3.	SLLCH HND 1 2 07 C 5005	आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास	5	0	0	5
4.	SLLCH HND 1 2 08 C 5005	कथेतर गद्य विधाएं	5	0	0	5
5.	SLLCH HND 1 2 02 GE 2002	पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा (अनिवार्य)	0	2	0	2
6.	SLLCH HND 1 2 DCEC -----	***अधोलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा***	4	0	0	4
	SLLCH HND 1 2 01 DCEC 4004	समकालीन साहित्य चिंतन				
	SLLCH HND 1 2 02 DCEC 4004	हरियाणा का लोक साहित्य				
	SLLCH HND 1 2 03 DCEC 4004	आधुनिक भारतीय साहित्य				

तृतीय सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
1.	SLLCH HND 1 3 09 C 5005	प्राचीन एवं रीतिकालीन काव्य	5	0	0	5
2.	SLLCH HND 1 3 10 C 5005	हिंदी नाटक एवं रंगमंच	5	0	0	5
3.	SLLCH HND 1 3 11 C 5005	भारतीय काव्यशास्त्र	5	0	0	5
4.	SLLCH HND 1 3 12 DCEC 2002	संगोष्ठी पत्र (अनिवार्य)	0	2	0	2
5.		***अन्य विभाग से चयन किया जायेगा***	4	0	0	4
6.		***अधोलिखित में से किसी एक का चयन करना होगा***	4	0	0	4
	SLLCH HND 1 3 05 DCEC 4004	मीरां				
	SLLCH HND 1 3 06 DCEC 4004	प्रेमचन्द				

चतुर्थ सेमेस्टर

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	D	क्रेडिट
1.	SLLCH HND 1 4 12 C 5005	भक्तिकाव्य	5	0	0	5
2.	SLLCH HND 1 4 13 C 5005	हिंदी आलोचना	5	0	0	5
3.	SLLCH HND 1 4 14 C 5005	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	5	0	0	5
4.	SLLCH HND 1 4 01 DEEC 0066	लघु शोध-प्रबंध	0	0	12	12

विभाग द्वारा अन्य विभाग के विद्यार्थियों हेतु प्रस्तावित सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रमों (GEC) की सूची

क्रम सं.	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	L	T	P	क्रेडिट
प्रथम सेमेस्टर में प्रस्तावित						
1.	SLLCH HND 1 1 01 GE 4004	हिंदी की संस्कृति	4	0	0	4

2.	SLLCH HND 1 1 02 GE 4004	साहित्य की समझ	4	0	0	4
तृतीय सेमेस्टर में प्रस्तावित						
3.	SLLCH HND 1 3 03 GE 4004	सिनेमा अध्ययन	4	0	0	4
4.	SLLCH HND 1 3 04 GE 4004	अस्मितामूलक साहित्य	4	0	0	4
5.	SLLCH HND 1 3 05 GE 4004	प्रयोजनमूलक हिंदी	4	0	0	4

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम : स्वच्छंदतावादी काव्य

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 01 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	स्वछंदतावाद : राष्ट्रीयतावादी काव्यधारा का सामान्य परिचय छायावाद: परिभाषा, नामकरण एवं काल निर्धारण छायावादयुगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि, रहस्यवाद और छायावाद
2.	छायावादी कवियों का प्रकृति, संस्कृति एवं स्त्री विषयक चिंतन काव्यभाषा एवं छंद-विधान : मुक्त-छंद, प्रगीत एवं लंबी कविता की अवधारणा
3.	मैथिलीशरण गुप्त : भारत-भारती (अतीत खंड) जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं इड़ा सर्ग)
4.	निराला : राम की शक्तिपूजा, तोड़ती पत्थर सुमित्रानंदन पंत: नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति महादेवी वर्मा : क्या पूजन क्या अर्चन रे! , पंथ होने दो अपरिचित, कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो.

संदर्भ पुस्तकें :

- छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- निराला की साहित्य साधना-1,2,3 : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- निराला: एक आत्महंता आस्था: दूधनाथ सिंह, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- कामायनी : एक पुनर्विचार: मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- पंत और पल्लव: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गंगा-ग्रंथागार, लखनऊ
- काव्यकला एवं अन्य निबंध : जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद : नन्ददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
- छायावाद और नवजागरण: महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
- कल्पना और छायावाद: केदारनाथ सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक हिंदी कविता और आलोचना की द्वंद्वात्मकता: कमला प्रसाद, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम : हिंदी कथा साहित्य -I

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 02 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद पूर्व हिंदी उपन्यास प्रेमचंदयुगीन हिंदी उपन्यास हिंदी की पहली कहानी प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी प्रेमचंद युगीन हिंदी कहानी
2.	परीक्षा गुरु, चंद्रकांता (कोई एक)
3.	सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि, गबन, निर्मला, गोदान (कोई एक) त्यागपत्र, कंकाल, कुल्ली भाट (कोई एक)
4.	उसने कहा था, इन्दुमती, आकाशदीप, कफ़न, दो बैलों की कथा, घासवाली, ठाकुर का कुआँ, बड़े भाई साहब, सवा सेर गेहूं (कोई चार)

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी कहानी संग्रह: सं. भीष्म साहनी, साहित्य अकादमी, दिल्ली
- प्रेमचंद और उनका युग: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- अधूरे साक्षात्कार: नेमिचन्द्र जैन, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कहानी: नई कहानी: नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति: देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ: सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
- हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति: सुरेंद्र चौधरी, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
- शांति निकेतन से शिवालिक तक: सं. शिवप्रसाद सिंह, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश: मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
- हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा: रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय उपन्यास और आधुनिकता: वैभव सिंह, आधार प्रकाशन, पंचकूला
- कहानी का लोकतंत्र: पल्लव, आधार प्रकाशन, पंचकूला

पाठ्यक्रम: आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 03 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा कालविभाजन तथा नामकरण आदिकाल एवं युगीन प्रवृतियाँ आदिकाल के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय रासो ग्रन्थ परंपरा ; जैन, सिद्ध तथा नाथ साहित्य
2.	भक्ति आंदोलन के उदय के कारण भक्तियुगीन सामान्य प्रवृतियाँ निर्गुण एवं सगुण भक्ति का स्वरुप एवं भेद वैष्णव भक्ति का उदय एवं आलवार संत भक्तिकाल के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय
3.	भक्तियुगीन काव्यधाराओं का परिचय प्रमुख कवियों के काव्य का साहित्यिक मूल्यांकन
4.	रीतिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ नामकरण एवं परिस्थितियाँ रीतिसिद्ध, रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधाराएं रीतिकाल के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- त्रिवेणी: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का आदिकाल: हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का अतीत (दो खंड): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास: डॉ. नगेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली
- हिंदी रीति साहित्य: भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- परंपरा का मूल्यांकन: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- लोक जागरण और हिंदी साहित्य: रामचन्द्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास: विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरिएंट ब्लैकस्वान, दिल्ली
- वैष्णव भक्ति का उद्भव और विकास: सुवीरा जायसवाल, ग्रंथशिल्पी,नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: हिंदी भाषा का स्वरूप एवं इतिहास

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 04 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1 .	भाषा और समाज का अंतःसंबंध भारतीय भाषा परिवार का विस्तृत परिचय भाषा एवं बोली में संबंध
2.	अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिंदी का संबंध काव्यभाषा के रूप में ब्रज का उदय एवं विकास काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय एवं विकास
3.	हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय खड़ी बोली हिंदी का उद्भव एवं विकास मानकीकरण एवं मानक हिंदी का स्वरूप हिंदी-उर्दू का परस्पर सम्बन्ध दक्किनी हिंदी
4.	हिंदी की संवैधानिक स्थिति राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी हिंदी प्रसार के प्रमुख आन्दोलन तथा प्रमुख संस्थान

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी का लोकवृत्त : फ्रंचेस्का ओर्सीनी,वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
- हिंदी निरुक्त :किशोरी दास वाजपेयी ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- हिंदी भाषा का इतिहास :डॉ भोलानाथ तिवारी .वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- भारतीय आर्य भाषा और हिंदी :सुनीति कुमार चटर्जी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारत की भाषा समस्या :रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारत और समाज :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
- मध्य और पूर्वी यूरोप में हिंदी: डॉ इमरे बंघा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
- अच्छी हिंदी :किशोरी दास वाजपेयी ,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- हिंदी व्याकरण : कामता प्रसाद गुरु,वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली
- भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी :रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली
- हिंदी भाषा :हरदेव बाहरी ,अभिव्यक्ति प्रकाशन ,इलाहबाद
- हिंदी साहित्य का इतिहास :रामचंद्र शुक्ल,नागरी प्रचारिणी सभा , काशी

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम: छायावादोत्तर काव्य

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 05 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश. प्रगतिवाद : प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार प्रयोगवाद : प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकार नयी कविता : आधुनिकता-बोध, अस्तित्ववाद , लघुमानववाद अकविता एवं नवगीत : प्रवृत्तियां एवं विशेषताएं
2.	**रामधारी सिंह 'दिनकर'** : उर्वशी (तृतीय सर्ग); **अज्ञेय** : असाध्य वीणा **नरेश मेहता :** समय देवता ; **धर्मवीर भारती** : मुनादी
3.	**गजानन माधव मुक्तिबोध** : अँधेरे में ; धूमिल : पटकथा **नागार्जुन :** बहुत दिनों के बाद, मास्टर , मेरी भी आभा है इसमें **त्रिलोचन** : चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती; **शमशेर:** बात बोलेगी, लौट आओ धार **केदारनाथ अग्रवाल**: वीरांगना, मांझी न बजाओ बंशी
4.	**रघुवीर सहाय:** दो अर्थ का भय; **श्रीकांत वर्मा :** मगध **केदारनाथ सिंह:** रोटी, जमीन, **कुंवर नारायण:** अयोध्या -1992 ; **आलोक धन्वा** : सफ़ेद रात **अरूण कमल**: मातृभूमि, अपनी केवल धार **कात्यायनी**: सात भाइयों के बीच चम्पा, हाकी खेलती लड़कियां; **अनामिका**: बेजगह, स्त्रियाँ (हिंदी आठ रचनाकार का अध्ययन अपेक्षित)

संदर्भ पुस्तकें :

- नयी कविता और अस्तित्ववाद: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक साहित्यिक की डायरी: गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कल्पना का उर्वशी विवाद: सं. गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कविता के नये प्रतिमान: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य: रेखा अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- मुक्तिबोध: ज्ञान और संवेदना: नंद किशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नेहरू युग और अकविता: वेद प्रकाश, नवचेतन प्रकाशन, दिल्ली
- सुदामा पाण्डेय 'धूमिल': अवधेश प्रधान, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- प्रगतिवाद: शिवदान सिंह चौहान, प्रदीप कार्यालय, मुरादाबाद
- आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियां : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: हिंदी कथा साहित्य-II

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 06 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारत विभाजन और हिंदी कथा साहित्य विचारधारा और उपन्यास हिंदी उपन्यास और कहानी के विविध आंदोलन
2.	हजारी प्रसाद द्विवेदी : बाणभट्ट की आत्मकथा अज्ञेय : शेखर : एक जीवनी (भाग-1); फणीश्वरनाथ 'रेणु' : मैला आंचल इलाचंद्र जोशी : जिप्सी भीष्म साहनी : तमस (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
3.	श्रीलाल शुक्ल : राग दरबारी ; मन्नू भंडारी : महाभोज कृष्णा सोबती : मित्रो मर जानी; मनोहर श्याम जोशी : कसप मधु कांकरिया : सेज पर संस्कृत (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
4.	यशपाल : तुमने क्यों कहा मैं सुंदर हूँ ; अमरकांत : जिंदगी और जोंक मार्कण्डेय : हंसा जाई अकेला; शेखर जोशी : कोसी का घटवार निर्मल वर्मा : परिंदे काशीनाथ सिंह : कविता की नई तारीख; मन्नू भंडारी : यही सच है उदय प्रकाश : और अंत में प्रार्थना; हरिशंकर परसाई : भोलाराम का जीव ओमप्रकाश वाल्मीकि : सलाम; शिवमूर्ति : तिरिया चरित्तर उषा प्रियम्वदा : वापसी (किंही चार का अध्ययन अपेक्षित)

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी कहानी संग्रह: सं. भीष्म साहनी; साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- प्रेमचंद और उनका युग: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
- अधूरे साक्षात्कार: नेमिचन्द्र जैन; वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी : नई कहानी: नामवर सिंह; लोकभारती, इलाहाबाद
- नई कहानी : संदर्भ और प्रवृत्ति: देवीशंकर अवस्थी; राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ ; (संपादन) सुरेंद्र चौधरी ; अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
- हिंदी कहानी : रचना और परिस्थिति ; (संपादन) सुरेंद्र चौधरी; अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद
- शांति निकेतन से शिवालिक तक ; सं. शिवप्रसाद सिंह; भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अस्मिता की तलाश: मधुरेश, आधार प्रकाशन, पंचकूला
- हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा: रामदरश मिश्र; राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- भारतीय उपन्यास और आधुनिकता: वैभव सिंह; आधार प्रकाशन, पंचकूला
- कहानी का लोकतंत्र: पल्लव; आधार प्रकाशन, पंचकूला

पाठ्यक्रम: आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 07 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी गद्य का उद्भव एवं विकास 1857 की क्रांति एवं हिंदी साहित्य; भारतेंदु एवं उनका मंडल महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं हिंदी नवजागरण राष्ट्रवादी एवं स्वच्छंदतावादी काव्य धाराओं के कवियों का परिचय
2.	छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएं छायावाद के प्रतिनिधि कवि एवं उनके काव्य ग्रंथ प्रगतिवाद के उदय के कारण एवं युगीन परिस्थितियाँ प्रगतिवाद के प्रतिनिधि कवियों एवं काव्य का परिचय
3.	मध्य वर्ग एवं आरंभिक हिंदी उपन्यास प्रेमचंद एवं उनके युग का कथा साहित्य हिंदी कथा संसार के प्रतिनिधि उपन्यास एवं कहानियां हिंदी के प्रतिनिधि नाटक एवं रंगमंच के विकास का परिचय हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाओं का संक्षिप्त परिचय
4 .	तार सप्तक एवं प्रयोगवादी कवियों के काव्य का परिचय नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख हस्ताक्षर समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता एवं प्रमुख लेखक संघ

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण: राम विलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कविता का अतीत और वर्तमान: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- उपन्यास और लोकतंत्र: मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- छायावाद: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कविता के नए प्रतिमान: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां: नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम: कथेतर गद्य विधाएं

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 08 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी गद्य की निर्माण भूमि : फोर्ट विलियम कॉलेज भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य : गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खां, सदासुख लाल, शिव प्रसाद सितारेहिंद, राजा लक्ष्मण सिंह का परिचयात्मक अध्ययन
2.	भारतेंदु युग : आधुनिकता और गद्य का अंतर्संबंध, हिंदी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्त्व हिंदी निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-वृत्तान्त, रिपोर्ताज, आत्मकथा, व्यंग्य, डायरी एवं लघुकथा लेखन की परंपरा.
3.	साहित्य जन समूह के हृदय का विकास है : बालकृष्ण भट्ट कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी नयी कविता का आत्मसंघर्ष : मुक्तिबोध पगडंडियों का जमाना : हरिशंकर परसाई
4.	अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन भक्तिन : महादेवी वर्मा अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियेंट ब्लैकस्वान, भोपाल
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतेंदुयुग और हिंदी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास: आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- सामाजिक क्रांति के दस्तावेज : सं. शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य आधा इतिहास: सुमन राजे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य का इतिहास: रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

पाठ्यक्रम: पुस्तक एवं फिल्म समीक्षा
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 02 GE 2002

नोट- यह पाठ्यक्रम चयनित फिल्मों एवं पुस्तकों की समीक्षा पर आधारित होगा. फिल्मो एवं पुस्तकों का चयन संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा.

पाठ्यक्रम: समकालीन साहित्य चिंतन

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 01 DCEC 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मार्क्सवाद: वर्ग संघर्ष, ऐतिहासिक विकासवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, अलगाववाद नवमार्क्सवाद: फ्रैंकफर्ट स्कूल का महत्त्व
2.	यथार्थवाद रूपवाद
3.	उत्तर-आधुनिकता की संकल्पना, संरचनावाद उत्तर-संरचनावाद: फूको, देरिदा
4.	साहित्य का समाजशास्त्र भूमंडलीकरण, विस्थापन, बहु-सांस्कृतिकता

संदर्भ पुस्तकें :

- यथार्थवाद : जार्ज लुकाच, ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
- संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र: गोपीचंद नारंग,साहित्य अकादमी,नई दिल्ली
- उत्तर आधुनिकता : बहु आयामी सन्दर्भ : पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु',
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिकता, उत्तरआधुनिकता एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत: एस.एल.दोषी,रावत पब्लिकेशन, नईदिल्ली
- श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- स्त्री: उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा (अनु. प्रभा खेतान), हिन्द पॉकेट बुक्स
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: ओमप्रकाश वाल्मीकि, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : सं. रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- The Postmodern Condition: A Report on Knowledge : Jean-Francois Lyotard

पाठ्यक्रम: हरियाणा का लोक साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 02 DCEC 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	लोक साहित्य : परिचय एवं विभिन्न रूप लोक साहित्य : परंपरा और प्रयोग साहित्य और लोक साहित्य : अंतर एवं अंत:संबंध
2.	हरियाणवी भाषा : उद्भव और विकास हरियाणवी की उपबोलियों का परिचयात्मक अध्ययन
3.	बाजे भगत, लखमीचंद एवं पंडित मांगेराम की चयनित दो-दो रागिनियों का अध्ययन
4.	कहानी : कंवल हरियाणवी : आसा की किरण लोककथा : राजकिशन नैन : लालच बुरी बला एकांकी : रघुवीर सिंह मथाना : स्वर्ण जयंती

संदर्भ पुस्तकें :

- लोक साहित्य की भूमिका : कृष्णदेव उपाध्याय. साहित्य भवन, इलाहाबाद
- भारत में लोक साहित्य: कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- भारतीय लोक विश्वास: कृष्णदेव उपाध्याय, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- पंचदश लोकभाषा- निबंधावली: बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हरियाणा का लोक साहित्य : लालचंद गुप्त 'मंगल'
- लोक संस्कृति के क्षितिज: पूर्णचन्द शर्मा
- भारत की लोक-कथाएँ : सं. ए. के. रामानुजन, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली
- हरियाणवी साहित्य और संस्कृति : पूर्णचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
- हरियाणा का लोकसाहित्य: शंकर लाल यादव, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहबाद.
- हरियाणवी लोकधारा (प्रतिनिधि रागनियां): सं. सुभाष चंद्र, आधार प्रकाशन, पंचकूला

पाठ्यक्रम: आधुनिक भारतीय साहित्य
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 2 03 DCEC 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतीय साहित्य की अवधारणा भारत में बहुभाषिकता और बहुसांस्कृतिकता
2.	संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति माटी मटाल : गोपीनाथ मोहंती हजार चौरासीवें की माँ : महाश्वेता देवी मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै (किंही दो का अध्ययन अपेक्षित)
3.	घासीराम कोतवाल : विजय तेंदुलकर तुगलक : गिरीश कर्नाड
4.	रवींद्रनाथ टैगोर: अभिसार, प्राण, मुक्ति त्राण, भारत तीर्थ, बंदी, अपमानित(अनुवाद एवं संपादन : हजारी प्रसाद द्विवेदी, साहित्य अकादमी) ग़ालिब : कोई उम्मीद बर नहीं आती, हजारों ख्वाहिशें ऐसी कि हर ख्वाइश पे दम निकले, बाज़ीचा-ए-अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे

संदर्भ पुस्तकें :

- इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेंडेंस : सं. के. एस. आर. आयंगर, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य : नगेंद्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
- कम्परेटिव लिटरेचर : नगेंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी
- भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर, उदयाचल प्रकाशन, पटना
- भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए.आर. देसाई, मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नारवड़े, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- मृत्युंजय रवींद्रनाथ : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय चिंतन परंपरा : के. दामोदरन, पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
- ग़ालिब की कविता : कृष्णदेव गौड़, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम: प्राचीन एवं रीतिकालीन काव्य

पाठ्यक्रम कोड :SLLCH HND 1 3 09 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भारतीय धर्म साधना में नाथ-सिद्धों का योगदान रासो काव्य परम्परा, हिंदी की आरम्भिक कविता के विविध स्वर सहरपा –चयनित 4 पद (स्फुट संग्रह) पृथ्वीराज रासो –कयमास वध
2.	ढोला मारू रा दूहा –चयनित 6 पद (सं नरोत्तम स्वामी एवं सूर्यकरण पारीक) अमीर खुसरो की मुकरियां पहेलियाँ एवं दो सुखन 10 छंद (स्फुट संग्रह) विद्यापति की पदावली –चयनित 10 पद (सं. शिव प्रसाद सिंह)
3.	रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व केशव की संवाद योजना एवं काव्य दृष्टि बिहारी की काव्य-कला एवं सौन्दर्य भावना केशवदास-रामचंद्रिका से चयनित 6 पद (सं. विजयपाल सिंह) बिहारी सतसई –चयनित 20 दोहे (सं जगन्नाथ दास ‘ रत्नाकर’)
4.	रीतिकाव्य में लोकजीवन रीतिकाव्य की अंतर्वस्तु एवं युगबोध घनानंद की प्रेम व्यंजना एवं स्वछंद योजना घनानंद का काव्य –चयनित 10 पद (सं. रामदेव शुक्ल)

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास :रामचन्द्र शुक्ल ,नागरी प्रचारिणी सभा , वाराणसी
- हिंदी साहित्य की भूमिका :हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन , नयी दिल्ली
- हिंदी साहित्य का आदिकाल: हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली
- बीसलदेव रासो : माता प्रसाद ,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी
- हिंदी साहित्य का अतीत :(दो खंड)विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली
- अमीर खुसरों का हिंदवी काव्य :गोपी चंद नारंग,वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली
- हिंदी रीति साहित्य :भागीरथ मिश्र,राजकमल प्रकाशन,नयी दिल्ली
- इमरे बंघा : सनेह को मारग, वाणी प्रकाशन , नयी दिल्ली
- हिंदी स्वछंदतावादी काव्य :प्रेमशंकर ,वाणी प्रकाशन. नयी दिल्ली

पाठ्यक्रम: हिंदी नाटक एवं रंगमंच

पाठ्यक्रम कोड :SLLCH HND 1 3 10 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी नाटक एवं रंगमंच का उद्भव एवं विकास यथार्थबोध एवं भारतेंदु के नाटक अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र
2.	प्रसाद के नाटको में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना प्रसाद के नाटकों की अभिनेयता चंद्रगुप्त : जयशंकर प्रसाद
3.	मोहन राकेश के नाटकों में आधुनिकताबोध एवं प्रयोगधर्मिता अंधायुग का नाट्य शिल्प एवं अस्तित्ववाद आधे अधूरे : मोहन राकेश अंधा युग : धर्मवीर भारती
4.	हिंदी एकांकी का उद्भव और विकास

संदर्भ पुस्तकें :

- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएँ: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा: रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन: जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- मोहन राकेश और उनके नाटक: गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष: गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श: जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शन: जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी नाटक: बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रंग दर्शन : नेमिचंद्र जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच के सिद्धांत : सं. महेश आनन्द, देवेन्द्रराज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम : राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी नाट्यदर्पण : सं. डॉ. नगेन्द्र , हिंदी माध्यम कार्यन्वय निदेशालय, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: भारतीय काव्यशास्त्र
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 3 11 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	काव्य: अर्थ एवं परिभाषा काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन काव्य भेद: महाकाव्य, खंड काव्य, गीति काव्य एवं मुक्तक
2.	रस सिद्धांत : रस की परिभाषा एवं स्वरूप रस निष्पत्ति, साधारणीकरण अलंकार सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं
3.	रीति सिद्धान्त : स्वरूप एवं स्थापनाएं वक्रोक्ति सिद्धांत : स्वरूप एवं स्थापनाएं
4.	ध्वनि सिद्धांत: स्वरूप एवं स्थापनाएं औचित्य सिद्धांत: स्वरूप एवं स्थापनाएं

संदर्भ पुस्तकें :

- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत: गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय काव्य शास्त्र: सत्यदेव शास्त्री, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास : भागीरथ मिश्र , लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ.
- काव्य के रूप : गुलाब राय, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्यालोचन : श्याम सुन्दर दास, इंडियन प्रेस, प्रयाग
- भारतीय काव्यशास्त्र : योगेन्द्र प्रताप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- काव्यशास्त्र: भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम: संगोष्ठी पत्र
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 3 12 DCEC 2002

नोट-यह पाठ्यक्रम चयनित बिन्दुओं/विषयों पर आधारित होगा. संगोष्ठी-पत्र हेतु बिंदु/विषय का निर्धारण संबंधित शिक्षक द्वारा किया जायेगा.

पाठ्यक्रम: मीरां

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 3 05 DCEC 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	मीरां एवं हिंदी आलोचना मीरां का जीवन एवं स्रोत सामग्री मीरां के युग का समाज मीरां का राजनीतिक परिवेश
2.	कृष्ण काव्य परंपरा में मीरां का स्थान मीरां की कविता में सगुण-निर्गुण का प्रश्न भक्तमालों एवं वार्ता साहित्य में मीरां का परिचय
3.	मीरां के काव्य में विद्रोह चेतना लोकजीवन एवं मीरां का काव्य गीतात्मकता एवं मीरां का काव्य
4.	मीरां वृहत पदावली, सं. पुरोहित हरिनारायण, भाग-1 चयनित 20 पदों का अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें :

- मीरांबाई का जीवन चरित्र: मुंशी देवी प्रसाद, बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता
- मीरां स्मृति ग्रन्थ, बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता
- मीरां का जीवन और काव्य (दो भाग): डॉ. सी. एल. प्रभात, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
- श्रीभक्तमाल (टीका-कवित्त): प्रियादास, श्रीवेंकटेश्वर प्रेस, मुंबई
- चौरासी वैष्णवन की वार्ता, पूजा प्रकाशन, अहमदाबाद
- पदप्रसंग माला: नागरीदास, राजस्थान प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
- वीर विनोद (भाग दो): श्यामलदास, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
- उदयपुर राज्य का इतिहास: गौ. ही. ओझा, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
- मीरां का जीवन: अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- Parita Mukta- Upholding the Common Life, Oxford University Press, Delhi
- C.J. Todd- Annals and Antiquities of Rajasthan, Rupa & Co., New Delhi
- मीरां : विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद

पाठ्यक्रम: प्रेमचंद

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 3 06 DCEC 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रेमचंद और राष्ट्रवाद प्रेमचंद और पत्रकारिता प्रेमचंद का उर्दू लेखन प्रेमचंद : स्त्री एवं दलित प्रश्न प्रेमचंद और किसान प्रेमचंद का आदर्श और यथार्थ
2.	उपन्यास : रंगभूमि, प्रेमाश्रम
3.	निर्धारित कहानियां : पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बड़े भाई साहब, नशा, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दारोगा, ठाकुर का कुआं, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा, सद्गति, शतरंज के खिलाड़ी, सवा सेर गेहूं (किन्हीं पांच अध्ययन अपेक्षित)
4.	निबंध : साहित्य का उददेश्य, कहानी कला 1,2,3; महाजनी सभ्यता

संदर्भ पुस्तकें :

- मानसरोवर (भाग 1 से 8): प्रेमचंद, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली
- कलम का सिपाही: अमृत राय, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- प्रेमचंद घर में: शिवरानी देवी, सरस्वती प्रकाशन, वाराणसी
- प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद और भारतीय किसान :रामबक्ष; वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचन: नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान: कमल किशोर गोयनका
- आलोचना का जनपक्ष: चंद्रबली सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचन :इन्द्रनाथ मदान

चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम: भक्तिकाव्य

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 4 12 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	संत काव्य का वैचारिक आधार कबीर की भक्ति-भावना, समाज दर्शन एवं काव्यकला कबीर काव्य में विद्रोह के स्वर, कबीर के राम एवं रहस्य साधना कबीर चयनित 6 पद एवं 15 दोहे (सं.-हजारी प्रसाद द्विवेदी)
2.	हिंदी के प्रमुख सूफ़ी कवि एवं सूफ़ी काव्य की विशेषताएं जायसी के काव्य में प्रेम भावना एवं लोक तत्त्व पद्मावत में प्रकृति चित्रण, सौन्दर्य दृष्टि एवं रूपक तत्त्व पद्मावत –नागमती वियोग खंड (सं. रामचंद्र शुक्ल)
3.	मध्यकाल में स्त्री स्वर एवं मीरां का काव्य मीरां का जीवन,मीरां के काव्य में लोकतत्त्व एवं गीति-तत्त्व कृष्ण काव्य धारा एवं अष्टछाप के प्रमुख कवि सूर काव्य में गीति-तत्त्व, वाग्विदग्धता एवं लोकतत्त्व सूरदास का श्रृंगार एवं वात्सल्य वर्णन मीरां वृहत पदावली भाग-1(सं. पुरोहित हरिनारायण) भ्रमरगीत सार चयनित 6 पद (सं. रामचंद्र शुक्ल)
4.	तुलसीदास का महत्त्व एवं उनकी प्रमुख कृतियाँ तुलसी काव्य में निहित सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि लोकमंगल की अवधारणा एवं तुलसीदास तुलसी की काव्य कला एवं प्रबंध कल्पना विनय पत्रिका – चयनित 10 पद (सं. रामचंद्र शुक्ल)

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य का इतिहास: रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी
- मलिक मुहम्मद जायसी :रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी
- भ्रमरगीत सार : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी
- गोस्वामी तुलसीदास :रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा ,वाराणसी
- हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- कबीर :हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
- सूर साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- जायसी :विजयदेव नारायण साही, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य :मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- लोकवादी तुलसीदास :विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- मीरां का जीवन :अरविंद सिंह तेजावत, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम: हिंदी आलोचना

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 4 13 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास शुक्ल पूर्व आलोचना, शुक्ल युग, मार्क्सवादी आलोचना
2.	रामचंद्र शुक्ल : इतिहास दृष्टि, रस-दृष्टि, लोकमंगल की अवधारणा नंददुलारे वाजपेयी : सौष्ठववादी आलोचना हजारी प्रसाद द्विवेदी और आलोचना की दूसरी परम्परा
3.	मार्क्सवादी आलोचना : रामविलास शर्मा, नामवर सिंह
4.	रचनाकार आलोचक : प्रेमचंद, प्रसाद, पंत, निराला, अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी आलोचना: विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्य की परख : शिवदान सिंह चौहान
- हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी: नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- पंत और पल्लव : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', गंगा-ग्रन्थागार, लखनऊ
- काव्यकला एवं अन्य निबंध: जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- इतिहास और आलोचना: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक साहित्यिक की डायरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- दूसरी परंपरा की खोज: नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 4 14 C 5005

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्लेटो : काव्य सिद्धांत प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत अरस्तू : विरेचन सिद्धांत
2.	लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा कालरिज : कल्पना सिद्धांत वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत
3.	क्रोचे : अभिव्यंजनावाद आई.ए. रिचर्ड्स : मूल्य एवं संप्रेषण सिद्धांत टी.एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता सिद्धांत
4.	मैथ्यू अर्नाल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य ड्राईडन : काव्य सिद्धांत नई समीक्षा

संदर्भ पुस्तकें :

- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत: गणपति चन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र: सत्यदेव शास्त्री, अशोक प्रकाशन, दिल्ली
- पाश्चात्य साहित्य लोचन के सिद्धांत: लीलाधर गुप्त, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र के सिद्धांत: मैथिलीप्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र की परंपरा: डॉ. नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- पाश्चात्य काव्य शास्त्र : सिद्धांत और वाद: डॉ. नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- काव्यशास्त्र: भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

पाठ्यक्रम: लघु शोध-प्रबंध*

प्रश्न-पत्र का कोड : SLLCH HND 1 4 01 SEEC 0066

***इसमें प्रत्येक विद्यार्थी को निर्धारित निर्देशक से विचार विनिमय करके एक लघु शोध-प्रबंध लिखना होगा.**

सामान्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम (GEC)

प्रथम सेमेस्टर में प्रस्तावित

पाठ्यक्रम: हिंदी की संस्कृति

पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 01 GE 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप साहित्य की प्रकृति एवं उद्देश्य साहित्य एवं समाज का अंतर्संबंध
2.	हिंदी साहित्य का स्वरूप एवं विस्तार भक्ति आन्दोलन एवं प्रतिरोध की संस्कृति हिंदी साहित्य में व्यक्तिवाद एवं रीति संस्कृति
3.	आधुनिकता का उदय एवं साहित्य आधुनिक हिंदी साहित्य एवं राजनीति
4.	हिंदी साहित्यिक संसार के प्रमुख स्वर साहित्यिक पत्रकारिता का वर्तमान स्वरूप हिंदी की वर्त्तमान दशा एवं दिशा

संदर्भ पुस्तकें :

- परम्परा का मुल्यांकन : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी रीति साहित्य : भागीरथी मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- साहित्य का समाजशास्त्र : मैनेजर पांडेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला, हरियाणा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ : नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
- भारतीय काव्यशास्त्र : कृष्ण देव झारी, शारदा प्रकाशन, नई दिल्ली
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा, मयूर पेपर बेक्स, नई दिल्ली

प्रथम सेमेस्टर प्रस्तावित
पाठ्यक्रम: साहित्य की समझ
पाठ्यक्रम कोड : SLLCH HND 1 1 02 GE 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप साहित्य संबंधी विविध अवधारणाएं
2.	साहित्य और समाज साहित्य और मनोविज्ञान साहित्य और राजनीति साहित्य और विचारधारा
3.	साहित्य इतिहास और साहित्येतिहास साहित्य और अन्य कलाएं
4.	साहित्य का प्रयोजन छंद-अलंकार: अवधारणा और विकास अप्रस्तुत योजना : बिंब, प्रतीक, रूपक, मिथक और कवि-समय

संदर्भ पुस्तकें :

- हिंदी साहित्य की भूमिका: हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- साहित्यालोचन : श्यामसुंदर दास, इंडियन प्रेस, इलाहबाद
- सर्जना और सन्दर्भ (राजनीति और साहित्य शीर्षक निबंध): अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली.
- साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला.
- साहित्य और इतिहास-दृष्टि: मैनेजर पांडेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
- साहित्य के सिद्धांत और रूप: भगवतीचरण वर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- आलोचना और विचारधारा : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
- साहित्य-सहचर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
- छठवां दशक : विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद.
- मिट्टी की ओर: रामधारी सिंह दिनकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

तृतीय सेमेस्टर में प्रस्तावित

पाठ्यक्रम: सिनेमा अध्ययन

पाठ्यक्रम का कोड :SLLCH HND 1 3 03 GE 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	सिनेमा का उद्भव एवं विकास सिनेमा उद्योग एवं कला का संबंध हिंदी सिनेमा पर पूंजीवाद का प्रभाव
2.	आरम्भिक हिंदी सिनेमा का स्वरूप हिंदी सिनेमा का रुमानी दौर हिंदी सिनेमा का वर्तमान परिदृश्य
3.	सिनेमा में नायकत्व कि अवधारणा हिंदी सिनेमा में स्त्री एवं प्रेम वृत्तचित्र एवं सिनेमा का बदलता स्वरूप
4.	चयनित फिल्मों का प्रदर्शन एवं समीक्षा

संदर्भ पुस्तकें :

- वर्ल्ड सिनेमा (हिस्ट्री): सं. ज्योफ्री नोवेल-स्मिथ, ऑक्सफ़ोर्डयुनिवर्सिटी प्रेस
- हिंदी सिनेमा: अनिल सारी, ऑक्सफ़ोर्ड, दिल्ली
- लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ: जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिनेमा: कल, आज, कल : विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय सिने सिद्धांत : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
- हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली.
- सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली.
- हिंदी सिनेमा : आदि से अनंत: प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार,
- सिनेमा: समकालीन सिनेमा : अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय सिनेमा का सफरनामा : पुनीत बिसारिया-राजनारायण शुक्ल, अटलांटिक प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: अस्मितामूलक साहित्य
पाठ्यक्रम कोड: SLLCH HND 1 3 04 GE 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	अस्मिता की अवधारणा स्मृति, इतिहास और अस्मिता अस्मिता और सत्ता धर्म और अस्मिता
2.	अस्मितामूलक आंदोलन, मुक्ति की आकांक्षा और स्वर, सहानुभूति बनाम स्वानुभूति
3.	तुलसीराम: मुर्दहिया ओमप्रकाश वाल्मीकि : ठाकुर का कुआं, सदियों का संताप निर्मला पुतुल: आदिवासी स्त्रियाँ, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा
4.	महादेवी वर्मा : श्रृंखला की कड़ियाँ(कोई एक अध्याय) सिमोन द बोउवा : स्त्री उपेक्षिता (प्रथम अध्याय)

संदर्भ पुस्तकें :

- दलित दृष्टि : गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- अस्मिताओं के संघर्ष में दलित समाज: ईश कुमार, अकादमिक प्रतिभा, नई दिल्ली
- दलित कविता का संघर्ष : कंवल भारती, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली
- आदिवासी साहित्य यात्रा : सं. रमणिका गुप्ता, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : शरण कुमार लिम्बाले, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम: प्रयोजनमूलक हिंदी
पाठ्यक्रम कोड: SLLCH HND 1 3 05 GE 4004

इकाई	पाठ्यक्रम
1.	प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरुप हिंदी के विविध रूप : सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, संचार भाषा (दृश्य, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य); पत्रकारिता: परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण और महत्त्व; हिंदी पत्रकारिता: उद्भव और विकास; संवाददाता के गुण; समाचार के स्रोत; समाचार लेखन; प्रूफ पठन और संशोधन
2.	प्रिंट मीडिया का स्वरूप; फीचर लेखन साक्षात्कार लेखन; प्रिंट मीडिया की भाषा और अभिव्यक्ति श्रव्य माध्यम (आकाशवाणी) का उद्भव और विकास; श्रव्य माध्यम का प्रस्तुतीकरण और स्वरूप(साहित्यिक-भाषायी); दृश्य-श्रव्य माध्यम (दूरदर्शन) का उद्भव एवं विकास; विज्ञापन की भाषा
3.	कंप्यूटर की संरचना: उपयोग एवं महत्त्व इंटरनेट संपर्क उपकरणों का परिचय; इंटरनेट का ऐतिहासिक परिचय
4.	अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप और प्रक्रिया; साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत और प्रयोग विज्ञापन का अनुवाद कार्यालयी (प्रशासनिक शब्दावली) कंप्यूटर पारिभाषिक शब्दावली

संदर्भ पुस्तकें :

- राजभाषा हिंदी : कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रशासनिक हिंदी : महेशचंद्र गुप्त, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- कंप्यूटर सिद्धांत और तकनीक: राजेंद्र कुमार, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेटिंग गाइड: शशांक, पूर्वांचल प्रकाशन, दिल्ली
- सैद्धांतिक एवं अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान: डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, साहित्य सहकार,दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. नरेश मिश्र, राजपाल एंड संस, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी और काव्यांग : डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. नरेश मिश्र, अभिनव प्रकाशन, दिल्ली
- आधुनिक विज्ञापन : प्रेमचंद पतंजलि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली